विषय- राजनीति शास्त्र

पेपर : तुलनात्मक शासन और राजनीति का परिचय

अध्याय : तुलनात्मक राजनीति : अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र (Comparative Politics: Meaning, Nature and Scope)

लेखिका : कंचन कुमारी, राजनीति शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

विषय-सूची

प्रस्तावना

तुलनात्मक शासन व राजनीति

तुलनात्मक राजनीति क्या है: अर्थ एवं परिभाषाएँ

तुलनात्मक अध्ययन क्यों

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति

तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र

तुलनात्मक अध्ययन से जुड़ी कठिनाइयाँ

तुलनात्मक अध्ययन की उपयोगिता व महत्व

तुलनात्मक राजनीति की वर्तमान अवस्था

निष्कर्ष

संदर्भ लेख

अभ्यास प्रश्न

प्रस्तावना

राजनीतिक विज्ञान के क्षेत्र के रूप में, तुलनात्मक राजनीति का एक वृहद और विशिष्ट स्थान रहा है | साथ ही यह एक गतिशील विषय रहा है तथा इसके अध्ययन की विषयवस्तु में परिवर्तन व बदलाव आते रहे हैं |

2500 वर्षों पूर्व, अरस्तू पहले तुलनावादी अध्ययनकर्ता (comparatist) थे जिन्होंने विभिन्न ग्रीक नगर राज्यों (Greek city-state) का विश्लेषण किया | उन्होंने न केवल नगर-राज्यों के औपचारिक संवैधानिक प्रावधानों का बल्कि आधारभूत सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आधारों तथा इनमें समय के साथ हुए परिवर्तनों का भी अध्ययन किया |

ज्ञान संवर्धन: 1 (accessed on : 29 June 2014, 6:37 pm)
अरस्तू के जीवन, दर्शन व राजनीतिक व्यवस्था व शासन पर उनके विचारो सके लिए देखे : http://www.hoocher.com/Philosophy/aristotle.htm

Politics (Aristotle)- http://en.wikipedia.org/wiki/Politics_(Aristotle)

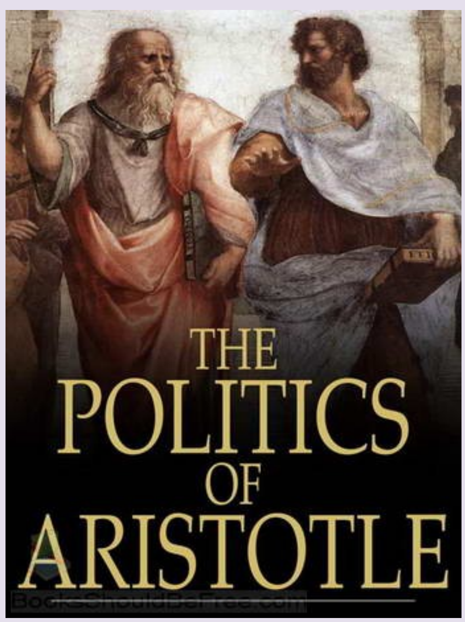

http://www.booksshouldbefree.com/book/politics-by-aristotle

ग्रीक प्लेटो (Plato) तथा रोमन सिसरो (Cicero) ने भी तुलनात्मक उपागम का उपयोग न केवल राजनीतिक व्यवस्थाओं के वर्गीकरण में किया बल्कि आदर्श प्रकार की राजनीतिक व्यवस्था (the best

form of political system) का सुझाव देने में भी किया | उत्तर 1500 आधुनिक युग में मैकियावेली (Machiavelli), जीन बोदिन (Jean Bodin) और मांटेस्क्यू (Mantesquieu) जो अमरीकी व्यवस्था के शक्ति के विभाजन (Separation of Power) के निर्माता थे, सभी तुलनावादी थे |

ज्ञान संवर्धन: 2 (accessed on : 29 June 2014, 7:28 pm)

शक्ति के विभाजन (Separation of Power) सिद्धांत को विस्तार से समझने के लिए देखें-

The Doctrine of Separation of power by jaba shadrack, 21.12.2012- http://jabashadrack.blogspot.in/2012/12/the-doctrine-of-separation-of-powers.html

ज्ञान संवर्धन: 3, (accessed on : 1 June 2014, 8:33 pm)

'आधुनिक युग के पिता' कहे जाने वाले **मैकियावेली** के जीवन व राजनीतिक दर्शन की अधिक जानकारी के लिए देखे : http://hi.wikipedia.org/wiki/निकोलो_मैकियावेली

चित्र 1. मैकियावेली

स्रोत: http://hi.wikipedia.org/wiki/निकोलो_मैकियावेली

एडम स्मिथ व कार्ल मार्क्स मूलत: अर्थशास्त्री थे लेकिन उन्होंने भी राजनीतिक अर्थव्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन किया | मार्क्स के अध्ययन में विशेष रूप से तुलनात्मक आंकडों की झलक मिलती है जो जर्मनी, फ्रांस व इंग्लैंड के जीवंत अनुभवों पर आधारित है |

परंपरागत उपागमों के प्रति असंतोष ने तुलनात्मक राजनीति के नए विज्ञान के विकास में सहयोग दिया | 20 वीं शताब्दी में इसके क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन देखे जा सकते हैं जो मुनरो, सी. एफ. स्ट्रांग, हरमन फाइनर, एल्मण्ड, पोवेल, कोलेमन व दूसरे राजनीतिक वैज्ञानिकों के प्रयास से संभव हुए | परंपरागत मूल्यों व विधियों का स्थान अब आधुनिक व वैज्ञानिक विधियों ने ले लिया | सर्वोत्तम प्रकार के शासन की खोज के स्थान पर अब व्यवस्थित व तुलनात्मक राजनीतिक अध्ययन पर बल दिया गया |

ज्ञान संवर्धन: 4, (accessed on : 29 June 2014, 7:27 pm)

निम्नलिखित विचारकों के जीवन, प्रभाव, राजनीतिक विचार व राजनीतिक विज्ञान में इनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए देखें :

Polibius - http://en.wikipedia.org/wiki/Polybius

Mantesquieu- http://en.wikipedia.org/wiki/Montesquieu

Jean bodin- http://en.wikipedia.org/wiki/Jean_Bodin

Cicero- http://en.wikipedia.org/wiki/Cicero

इन विचारकों द्वारा प्रतिपादित मिश्रित सरकार की अवधारणा के लिए देखें : (accessed on : 1 June 2014, 8:23 pm)

Mixed Government- http://en.wikipedia.org/wiki/Mixed_government

ज्ञान संवर्धन: 5 (accessed on : 28 June 2014, 11:54 am)

प्राचीन राजनीतिक दर्शनशास्त्र को विस्तार से समझने के लिए निम्नलिखित लिंक पर क्लिक करें :

Ancient Political Philosophy (Stanford Encyclopedia of Philosophy)

http://plato.stanford.edu/entries/ancient-political/

संक्षेप में, तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन हमारे आसपास के विश्व में होने वाली घटनाओं को समझने के लिए एक व्यवस्थित (systematic), सुसंगत (coherent) और यथार्थवादी (practical) तरीका है | दूसरे शब्दों में, राजनीति विज्ञान के अध्ययन में तुलनात्मक राजनीति एक बहुत महत्वपूर्ण व मुख्य अध्ययन क्षेत्र रहा है | यह एक वृहद अनुसंधान क्षेत्र को कवर करता है | तुलनात्मक राजनीति अपनी विषय-वस्तु के रूप में विश्व की बहुविध (diverse) राजनीतिक व्यवस्थाओं के साथ ही विश्लेषणात्मक समकालीन मुद्दों जैसे - लोकतंत्रीकरण, एकीकरण और वैश्वीकरण के अध्ययन से जुड़ा है |

तुलनात्मक शासन व राजनीति

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति व क्षेत्र को समझने से पूर्व यह आवश्यक है कि हम तुलनात्मक राजनीति व तुलनात्मक शासन के बीच अंतर को समझ लें | सामान्यत: दोनों शब्दों का प्रयोग परस्पर एक-दूसरे के लिए (interchangeably) किया जाता है परंतु दोनों में अंतर है | परंपरागत रूप से राजनीति के तुलनात्मक अध्ययन को 'तुलनात्मक शासन' की संज्ञा दी जाती थी | तुलनात्मक शासन में, विभिन्न राज्यों की राजनीतिक संस्थाओं की विशेषताओं व कानूनी शाक्तियों का अध्ययन शामिल है | तुलनात्मक शासन की मुख्य विशेषताएं हैं: विभिन्न देशों की राजनीतिक संस्थाओं के अध्ययन पर बल, विश्व के मुख्य संविधानों की विशेषताओं व शाक्तियों के अध्ययन पर बल, विभिन्न देशों में कार्यरत राजनीतिक संस्थाओं की शाक्तियों व कार्यों के अध्ययन पर बल, संगठन व शक्तियों का औपचारिक अध्ययन आदि तुलनात्मक सरकार के अध्ययन के आधारभूत विषय थे | इनमें सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों में, आदर्श राजनीतिक संस्थाओं के सिद्धांत (to build a theory of ideal political institutions) स्थापित करना था |

संक्षेप में, तुलनात्मक शासन और राजनीति के क्षेत्र में हम लोग 'राजनीतिक संस्थाओ, व्यवहार और आधुनिक शासन की प्रमुख व्यवस्थाओं की प्रक्रियाओं का अध्ययन करते है |' इसका प्रमुख ऊदेश्य विभिन्न देशों की सरकारों और राजनीति में व्याप्त समानताओं तथा असमानताओं का विश्लेषण करना है ताकि भविष्य मे सर्वमान्य सिद्धांत प्रतिपादित किए जा सकें | दूसरे विश्व युद्ध के पश्चात राजनीतिक वैज्ञानिक विभिन्न शासन के तुलनात्मक अध्ययन से संतुष्ट नहीं रहे और उन्होंने शासन-प्रणालियों की राजनीति और वास्तविक व्यवहार का भी अध्ययन करना प्रारंभ कर दिया | इस प्रकार धीरे-धीरे तुलनात्मक संस्थाओं (comparative institutions) का स्थान तुलनात्मक राजनीति (comparative politics) ने ले लिया | मेक्रेडीस (Macridis) ने ठीक ही कहा है की तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाओं के अध्ययन को तुलनात्मक कहना उचित नहीं क्योंकि इसके अंतर्गत केवल विदेशी सरकारों, उनके स्वरूप और उनके औपचारिक संगठन का वर्णन वैधानिक ढंग से किया जाता था | इसके विपरीत तुलनात्मक राजनीति के अंतर्गत विभिन्न सिद्धांतों तथा राजनीतिक व्यवस्थाओं के वास्तविक व्यवहारों का भी अध्ययन किया जाता है | दूसरे शब्दों में, तुलनात्मक अध्ययन अब केवल सरकारों के अध्ययन तक ही सीमित नहीं है अपितु इसका प्रयोग राजनीति तथा राजनीतिक व्यवस्थाओं के अध्ययन के लिए भी किया जाता है |

ज्ञान संवर्धन 6: (accessed on : 3 June 2014, 4:03 pm)
देखे: रॉय मेक्रिडिस द्वारा लिखित लेख "Comparative Study and the Politics of Government"
स्रोत:http://www.jstor.org/discover/10.2307/421376?uid=2129&uid=2&uid=70&uid=4&sid=2110409694

1347

20वी शताब्दी में, समय के साथ हुए राजनीतिक विकास, परिवर्तनों व राजनीतिक वैज्ञानिकों की नई पीढ़ी ने तुलनात्मक सरकार के संकुचित क्षेत्र, अवैज्ञानिक विधि, औपचारिक-कानूनी-संस्थागत और आदर्शवादी उपागम मे बदलाव की जरूरत महसूस की | उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप ही राजनीतिक प्रक्रियाओं के विस्तृत, यथार्थवादी, वैज्ञानिक अध्ययन ने तुलनात्मक सरकार के क्षेत्र को वृहद रूप दिया जिसे हम तुलनात्मक राजनीति के नाम से जानते हैं |

तुलनात्मक राजनीति क्या है : अर्थ एवं परिभाषाएं

तुलनात्मक राजनीति में, विश्व की राजनीतिक व्यवस्थाओं (systems) का व्यवस्थित (systematic) और तुलनात्मक अध्ययन शामिल है | यह व्यवस्थित इसलिए है क्योंकि यह सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं में विभिन्न पैटर्नो (patterns), नियमितताओं (regularities), और नई प्रवृत्तियों (trends) का अध्ययन करता है वहीं दूसरी ओर तुलनात्मक इन अर्थो में है जब यह व्यवस्थाओं और उनके बीच समानताओं, विभिन्नताओं के साथ ही साथ विकासात्मक परिवर्तनों का वर्णन करता है | मेहलर[1] (Mahler 2000) के अनुसार तुलनात्मक राजनीति में राजनीति का तुलनात्मक अध्ययन शामिल है जिसमें राजनीतिक प्रकरणों (political phenomena) जिनमें शामिल हैं, **राजनीतिक संस्थाएं** (political institutions) (जैसे विधायिका, राजनीतिक दल, या राजनीतिक हित समूह), **राजनीतिक व्यवहार** (political behavior) (जैसे मतदान, विरोध प्रदर्शन, या राजनीतिक पेम्फलेट पढ़ना), और **राजनीतिक विचारों** (political ideas) (जैसे उदारवाद, संकीर्णवाद या मार्क्सवाद) के बीच समानताओं व विभिन्नताओं को खोजने का प्रयास किया जाता है | उदाहरण के लिए, हम अन्वेषण कर सकते है कि अध्यक्षीय व संसदीय व्यवस्थाओं के बीच क्या विभिन्नताएं है या कैसे और क्यों कोई राज्य एक या दूसरे प्रकार का संविधान स्वीकार करते हैं | इसी प्रकार से दो-दल बनाम बहुदलीय व्यवस्था, एकल बनाम संघीय व्यवस्था और तानाशाही बनाम लोकतंत्र; यह विषय सूची उस वृहद विषय-वस्तु के मुद्दों की एक शुरुआत भर है, जिन पर तुलनात्मक राजनीति अपना ध्यान केंद्रित करती है |

जॉन ब्लोंडेल (John Blondel) के अनुसार : तुलनात्मक राजनीति, समकालीन विश्व में राष्ट्रीय सरकारों के प्रतिरूपों (patterns) का अध्ययन हैं (Comparative politics is "the study of patterns of national governments in the contemporary world) |

एम. जी. स्मिथ (M.G. Smith) के अनुसार : "तुलनात्मक राजनीति, राजनीतिक संगठनों के प्रकार, उनके गुणों, संबंधों, विभिन्नताओं और परिवर्तन के तरीकों का अध्ययन है" |

[1] Jeffrey Kopstein, and M. Lichbach, (eds), (2005) *Comparative Politics: Interests, Identities, and Institutions in a Changing Global Order.* Cambridge: Cambridge University Press, p.p 1-15

(Comparative Politics is the study of the forms of political organisations, their properties, correlations, variations and modes of change।)

ई.ए. फ्रीमेन (E.A Freeman) के अनुसार, "तुलनात्मक राजनीति, कई प्रकार की सरकारों व विभिन्न राजनीतिक संस्थाओं का तुलनात्मक विश्लेषण है" | (Comparative Politics is comparative analysis of the various forms of government and diverse political institutions).

इन परिभाषाओ के आधार पर हम कह सकते हैं की तुलनात्मक राजनीति न केवल संस्थाओ व उनके यांत्रिक व्यवस्थाओं (mechanistic arrangements) का बल्कि इसमें राजनीतिक व्यवहार की राजनीतिक प्रक्रियाओं, संरचनाओं, कार्यों, गैर-सांस्थानिक व गैर-राजनीतिक निर्धारकों का आनुभविक व वैज्ञानिक विश्लेषण भी शामिल है |

केवल यही नहीं, तुलनात्मक राजनीति में मुख्य रूप से **अध्ययन की विधि (method of study)** और **अध्ययन का विषय (subject of study)** को भी सम्मिलित माना जाता है | अध्ययन की विधि के रूप में, तुलनात्मक राजनीति 'तुलना' पर आधारित है | अध्ययन के विषय के रूप में, तुलनात्मक राजनीति एक राज्य, समाज, देश या राजनीतिक व्यवस्था में हो रहे राजनीतिक घटनाक्रमों को समझने और वर्णन करने पर बल देता है | इन परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि 1. यह क्षेत्र प्राथमिक रूप से घरेलू व आंतरिक गतिविधियों से संबंध रखता है जो इसे अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों (अध्ययन का वह क्षेत्र जो राज्यों के बाहरी संबंधों (external relations) या विदेश नीति से संबंध रखता है) से अलग करता है | 2. तुलनात्मक राजनीति, *राजनीतिक* घटनाक्रमों (political phenomena) से संबंधित है और 3. सबसे महत्वपूर्ण, यह विशेषता है कि यह विश्लेषण कि तुलनात्मक विधि द्वारा परिभाषित होता है |

ज्ञान संवर्धन 7 : (accessed on : 29 June 2014, 7:04 pm)

तुलनात्मक राजनीति व तुलनात्मक विधि को विस्तार से समझने के लिए देखें **Arend Lijphart** द्वारा लिखित लेख - "Comparative Politics and Comparative Method" - (The American Political Science Review, Vol.65, Issue 3 (Sep.1971), 682-693

http://campus.murraystate.edu/academic/faculty/mark.wattier/Lijphart1971.pdf

तुलनात्मक अध्ययन क्यों ?

जब हम किन्हीं दो या दो से अधिक वस्तुओं या प्रक्रियाओं को तर्कसंगत आधार पर एक ही श्रेणी में रखते हैं, फिर उनके विभिन्न अंशों की समानताओं और भिन्नताओं के आधार पर किसी निश्चित नियम या प्रवृत्ति के बारे में प्राक्कल्पना (hypothesis) प्रस्तुत करते हैं, तब हमारी कार्य-विधि को तुलनात्मक पद्धति की संज्ञा दी जाती है |

हम तुलना क्यों करते है या दूसरे शब्दों में तुलना करने का क्या उद्देश्य है ? गियोवानी सारटोरी (Giovanni Sartori, 1994) के अनुसार - हम नियंत्रण करने के लिए तुलना करते है | नियंत्रण के लिए तुलना का प्रयोग हम यह जाँचने के लिए करते है कि क्या किसी घटनाक्रम के बारे में, कुछ चरों (certain variables) को नियंत्रित और स्थायी करने पर हमारे दावे या मान्यताएं वैध हैं | उदाहरण के लिए हम कुछ कथन लेते हैं जैसे- भ्रष्टाचार का कारण गरीबी है या इसके उलट कि भ्रष्टाचार के कारण गरीबी बढ़ती है | आर्थिक वृद्धि के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए सत्तावाद (authoritarianism) लोकतंत्र की तुलना में अधिक सहायक है या सामाजिक क्रांति का कारण 'सापेक्ष वंचन' (relative deprivation) है |

अब ये कथन सही हैं या गलत, या कुछ और- यह हम कैसे जान सकते है | सारटोरी के अनुसार ऐसा हम तुलनात्मक जांच (comparative checking) द्वारा कर सकते हैं | मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार की तुलनाएं शोधकर्ताओं को विभिन्नताओं व समानताओं की एक बहुलता उपलब्ध कराती है, जिसमें से वे महत्वपूर्ण नियंत्रण चर (control variables) का चयन कर सकते हैं |

ज्ञान संवर्धन 8 : (accessed on : 29 June 2014, 7:38 pm)
देखें **Giovanni Sartori** द्वारा लिखित लेख 'Concept Misformation in Comparative Politics'- (Source: American Political Science Review, LXIV(4) (1970): 1033-1053.)
http://www.corwin.com/upm-data/24809_Ch_02.pdf

ज्ञान संवर्धन 9 :
सारटोरी की कुछ महत्वपूर्ण कृतियाँ -
Democrazia e Definizioni (1957)
Concept Misformation in Comparative Politics. (1970)
Parties and Party Systems (1976).
The Theory of Democracy Revisited. (1987)
Comparative Constitutional Engineering (1994)

La Terra Scoppia (Italy, 2003. The title means "the Earth explodes").

प्रो॰ मनोरंजन मोहंती के अनुसार तुलना करने का अर्थ केवल घटनाक्रमों के बीच समानताओं व विभिन्नताओं की खोज नहीं है बल्कि यह संबंधों की खोज करता है | इन संबंधों की प्रकृति, हमारे द्वारा उठाए गए प्रश्न पर निर्भर करती है | घटनाओं की तुलना का अर्थ एकता (unity) और विपक्षता (opposition) के बीच संबंधों को पहचानना है | इस प्रकार तुलना के इस अर्थ को ध्यान में रखते हुए देखा जाए तो, किसी भी तरह के ज्ञान अर्जन में तुलनात्मक अध्ययन शामिल है | ऐसा इसलिए है क्योंकि सभी सामान्यीकरण (generalizations) एक से अधिक घटनाक्रमों या कई सारे घटनाक्रमों के संबंधों के निरीक्षण पर आधारित होते हैं | इसमें तुलना की क्रिया स्वत: शामिल होती है | जितना विस्तृत हमारा निरीक्षण (observations) होता है, उतने ही निश्चित राजनीतिक संबंधों पर हमारे कथन (statements) होते हैं |

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति

तुलनात्मक राजनीति विभिन्न समाजों में कार्यरत राजनीतिक व्यवस्थाओं की तुलना व विश्लेषण करती है और ऐसा करने में यह तीन तत्वों को साथ लेकर चलती है- **राजनीतिक क्रिया** (political activity), **राजनीतिक प्रक्रिया** (political process), **राजनीतिक शक्ति** (political power) | राजनीतिक क्रिया में वे सभी क्रियाएँ शामिल हैं जो शक्ति के संघर्ष व विवादों के निपटारे से जुड़ी हैं | राजनीतिक प्रक्रियाओं में उन सभी औपचारिक व अनौपचारिक संरचनाओं के अध्ययन शामिल हैं जिनके द्वारा राजनीतिक प्रक्रियाएं क्रियान्वित होती हैं | ये राजनीतिक प्रक्रियाएं ही सत्ता व शक्ति संबंधों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं | तीसरा, राजनीतिक शक्ति, राजनीति का विषय स्वयं ही शक्ति के लिए संघर्ष या वैधानिक शक्ति के इस्तेमाल द्वारा विवाद निपटारे की प्रक्रिया के अध्ययन से जुड़ा है | लासवेल (Laswell) राजनीति को शक्ति के निर्माण व बंटवारे की प्रक्रिया के रूप मे देखते हैं | अत: राजनीति के अध्ययन व शक्ति का अध्ययन परस्पर व्यापी हैं, दोनों को पृथक नहीं किया जा सकता |

तुलनात्मक राजनीति में, विभिन्न राजनीतिक व्यवस्थाओं में निहित राजनीतिक क्रिया, राजनीतिक प्रक्रिया व राजनीतिक शक्ति का अध्ययन व तुलना शामिल हैं | तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति व विशेषताओं मे शामिल हैं -

1. विश्लेषणात्मक व आनुभविक अनुसंधान |
2. यह अध्ययन राजनीति के वस्तुनिष्ठ व मूल्य-रहित आनुभविक (empirical) अध्ययन पर बल देता है और तुलनात्मक सरकार के आदर्शवादी वर्णनात्मक विधि कों कम महत्व देता हैं |

3. राजनीति की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन - तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन अब व्यक्तियों, समूहों, संरचनाओं, उप-व्यवस्थाओं आदि सभी संस्थाओं के वास्तविक व्यवहार का विश्लेषण करता है |
4. अंतर-विषयी प्रकृति - तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन अंतरविषयी उपागम पर बल देता है | यह दूसरे सामाजिक विज्ञान विषयों जैसे मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, नृविज्ञान और अर्थव्यवस्था की सहायता द्वारा भी करता है |
5. यह विकसित व विकासशील- दोनों ही देशों की राजनीतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता हैं | जहां पूर्वाग्रही व संकुचित प्रकृति के परंपरागत अध्ययन के स्थान पर अब एशिया, अफ्रीका, लैटिन-अमरीका की राजनीतिक व्यवस्थाओं के अध्ययन को, यूरोपीय राजनीतिक व्यवस्था के अध्ययन के समान ही महत्व दिया जाता है |
6. सिद्धांत निर्माण का उद्देश्य - तुलनात्मक राजनीति का उद्देश्य वैज्ञानिक सिद्धांतों का निर्माण करना है |
7. राजनीतिक व्यवस्थाओं (systems) का अध्ययन - तुलनात्मक राजनीति ने राजनीति के अध्ययन के लिए 'व्यवस्था' की संकल्पना को अपना लिया है जिसने इसके विषय क्षेत्र को व्यापक बना दिया है |

इन सब विशेषताओं के साथ तुलनात्मक राजनीति का विषय एक नए विज्ञान के रूप मे उभरकर सामने आया है | यह तुलनात्मक राजनीति के अविस्तृत, औपचारिक विशेषता, केवल कानूनी व संस्थागत ढांचों, आदर्शवादी उपागम और परंपरागत तुलनात्मक शासन अध्ययन की संकुचित प्रकृति को नकारता है |

ज्ञान संवर्धन 10 : (accessed on : 29 June 2014, 7:10 pm)
'तुलनात्मक राजनीति के भूतकाल व वर्तमान परिपेक्ष्य' के लिए महत्वपूर्ण लिंक पर क्लिक करें (Useful links on)- "A Perspective on Comparative Politics Past and Present" - http://publishing.cdlib.org/ucpressebooks/view?docId=ft0k40037v&chunk.id=d0e1328&toc.depth=1&brand=ucpress

तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र

तुलनात्मक राजनीति के समकालीन, आधुनिक व्यापक क्षेत्र को समझने के लिए इसके परंपरागत रूप, विशेषताओं व इतिहास को समझना आवश्यक है | तुलनात्मक अध्ययन के साधारणतया दो उपागम या दृष्टिकोण माने गए हैं -

परंपरागत दृष्टिकोण (Traditional Approach)

आधुनिक दृष्टिकोण (Modern Approach)

राजनीतिक संस्थाओ के तुलनात्मक अध्ययन के लिए जो प्रयास 20वीं शताब्दी अथवा उससे पहले किए गए उन्हे परंपरागत दृष्टिकोण का नाम दिया जाता है | तुलनात्मक अध्ययन की शुरुआत ग्रीक दार्शनिक अरस्तू के अध्ययन में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है | उन्होंने 150 राज्यों के संविधानों का अध्ययन किया और उन्हें शासन के प्रकार (typology of regimes) के रूप में वर्गीकृत किया | उन्होंने न केवल शासन व राजनीतिक व्यवस्थाओं का उनके प्रकार (types) के आधार पर वर्णन व वर्गीकरण किया जैसे लोकतंत्र, आभिजाततंत्र (aristocracy), राजतंत्र (monarchy) बल्कि अच्छे शासन के मूल्यों (norms of good governance) के आधार पर भी इनके बीच अंतर बताया | इन्हीं तुलनाओं के आधार पर उन्होंने शासन को - अच्छे व बुरे (good and bad), आदर्श व विकृत (ideal and perverted)- के रूप में विभाजित किया | अरस्तू के इस वर्गीकरण का प्रयोग आगे रोमन दार्शनिक पोलिबियस (Polybius) व सिसरो (Cicero) ने राजनीतिक व्यवस्थाओं के औपचारिक व कानूनी अध्ययन में किया | शासन का तुलनात्मक अध्ययन 15वीं शताब्दी में मैकियावेली के अध्ययन में भी देखा जा सकता है |

ज्ञान संवर्धन 11 : (accessed on : 29 June 2014, 6:03 pm)

देखें अरस्तू द्वारा लिखित लेख- The classical review, April 1892 Aristotle's Classification of Forms of Government -

http://www.jstor.org/discover/10.2307/693542?uid=2129&uid=2&uid=70&uid=4&sid=21104226855727 (JSTOR: The Classical Review, Vol. 6, No. 4 (Apr., 1892), pp. 141-144)

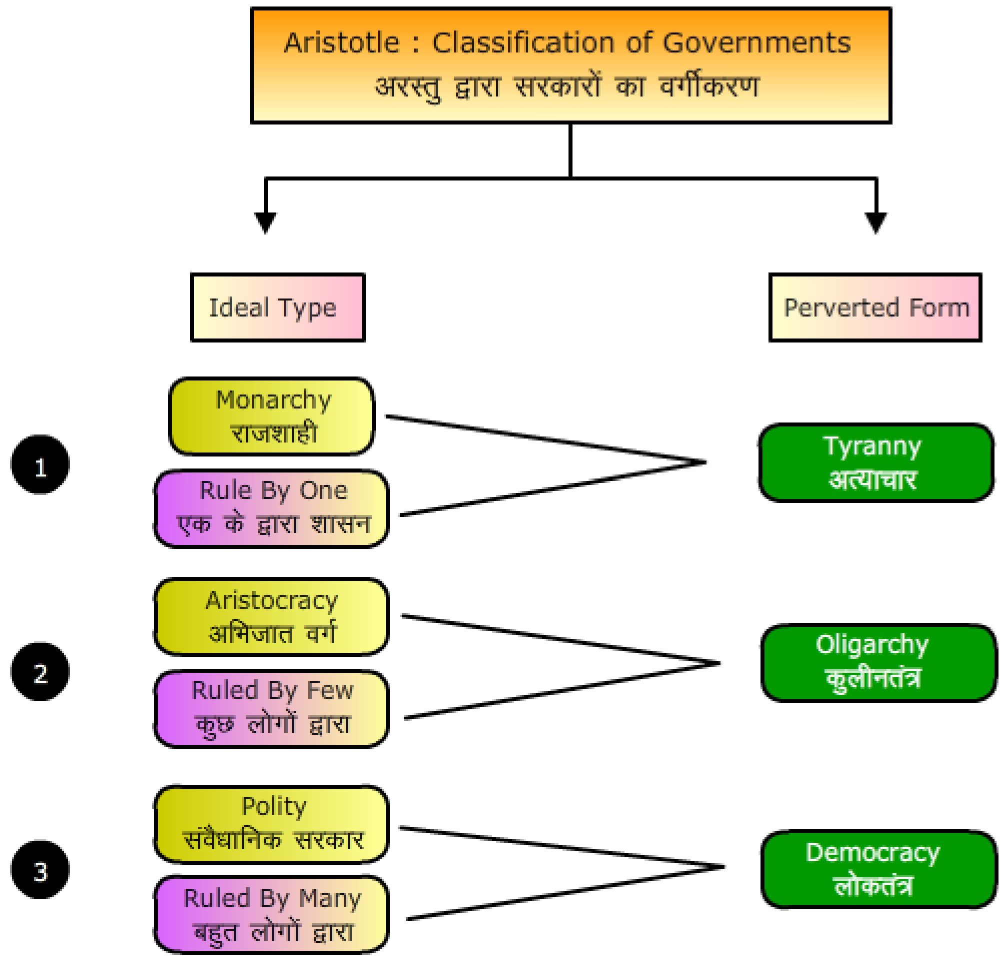

20वी शताब्दी की शुरुआत में पश्चिमी राजनैतिक विचारकों में से परंपरागत दृष्टिकोण के समर्थक कुछ प्रमुख नाम थे - जेम्स ब्राइस (James Bryces), हरमन फाइनर (Herman Finer), कार्ल जे. फ्रेडरिक (Carl J. Friedrich), रोबर्ट मिशेल (Roberto Michel), एम. डुवर्जर (M.Duverger), ओग एवम जिंक (Ogg and Zink), मुनरो (Munro), , हैराल्ड जे. लास्की (Harold J. Laski) आदि |

ज्ञान संवर्धन 12 : महत्वपूर्ण विचारक व उनकी कृतियाँ :

जेम्स ब्राइस (James Bryces) : मॉडर्न डेमोक्रेसिस (Modern Democracies, 1921)

हरमन फाइनर (Herman Finer) : थ्योरी एंड प्रेक्टिस ऑफ मॉडर्न गोवर्नमेंट (Theory and Practice of Modern Governments, 1932)

कार्ल जे. फ्रेडरिक (Carl J. Friedrich) : कोन्स्टिट्यूशनल गवर्नमेंट एंड डेमोक्रेसी (Constitutional Government and Democracy, 1937)

रोबर्ट मिशेल (Roberto Michel) : पॉलिटिकल पार्टीस (Political Parties, 1915)

एम. डुवर्जर (M.Duverger) : पॉलिटिकल पार्टीस (Political Parties, 1950)

इन विचारकों के अध्ययन में मुख्य बल, शक्ति के विभाजन, सरकार के विभिन्न आयामों के बीच संबंधों संस्थाओं के अध्ययन पर दिया गया | ये अध्ययन मुख्य रूप से यूरोप-केंद्रित (Eurocentric)[2] थे, जो प्रमुख यूरोपीय देशों- ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी- की संस्थाओं, सरकार व शासन के अध्ययन तक ही सीमित थे | यह भी कहा जा सकता है कि ये अध्ययन वास्तविक अर्थों में तुलनात्मक नहीं थे क्योंकि बहुत सारे देश इनके विश्लेषण-क्षेत्र से बाहर थे | कुछ देशों के अध्ययन के आधार पर निकाला गया कोई भी सामान्यीकरण (generalisation), वैधानिक रूप से यह दावा नहीं कर सकता कि वह सभी देशों के लिए एक ही तरह के परिणाम लाएगा | इन विचारकों ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथों द्वारा तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है परंतु यह बात ध्यान देने योग्य हैं कि इन विद्वानों का अध्ययन केवल विदेशी राजनीतिक व्यवस्थाओं की सरकारों के स्वरूपों के वर्णन तक ही सीमित था | इसके अतिरिक्त इन विचारकों ने केवल प्रजातांत्रिक संस्थाओं का ही अध्ययन किया व अलोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्थाओं के अध्ययन को अनुपयोगी माना | प्रजातांत्रिक देशों में भी केवल औपचारिक संवैधानिक व राजनीतिक संस्थानिक पहलुओं जैसे विधानपालिका, न्यायपालिका तथा नागरिक सेवाओं का ही अध्ययन किया गया | इस प्रकार यह एक संकुचित दृष्टिकोण था क्योंकि यह यूरोपीय राजनीतिक संस्थाओं के अध्ययन तक ही सीमित था | यहां ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि इन अध्ययनों में विश्व के ज़्यादातर देशों को शामिल न करना विश्व राजनीति में यूरोपीय प्रभुत्व की विशेषता को दर्शाता है | प्रभुत्व, जिसका विश्वास पश्चिमी उदारवादी लोकतंत्र के आदर्शवादी मूल्यों में होने के साथ-साथ यह नस्लवाद और सभ्यता की सर्वोच्चता से भी जुड़ा था |

आधुनिक दृष्टिकोण- समकालीन समय में तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन संकीर्णवाद और तुलनात्मक सरकार के सीमित क्षेत्र से आगे बढ़ चुका है | इसने एक विस्तृत अध्ययन क्षेत्र को अपना लिया है जिसमें शामिल है- राजनीतिक प्रक्रियाओं, क्रियाओं, कार्यों और सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं की राजनीतिक संरचनाओं, विकसित तथा विकासशील, यूरोपीय तथा एशियाई, अफ्रीकी व लैटिन अमेरिकी देशों- का विश्लेषण व तुलना | द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद इसके अध्ययन-क्षेत्र व प्रयोग की जाने वाली विधियों मे क्रांतिकारी परिवर्तन आए | आधुनिक राजनीतिक वैज्ञानिक परंपरागत अध्ययनों की कमियों जैसे- औपचारिक, कानूनी, संस्थावादी और आदर्शवाद पर अत्यधिक बल आदि को देखते हुए व तुलनात्मक अध्ययन के महत्व को स्वीकार करते हुए इसमें सुधार करने के लिए प्रेरित हुए | उन्होंने राजनीति के सभी औपचारिक साथ ही साथ अनौपचारिक संरचनाओं जैसे हित समूह, दबाव समूह राजनीतिक दल और राजनीतिक अभिजात (political elites) के वास्तविक कार्यकलापों को तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में स्थान दिया | तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में नयी शोध-पद्धति, शोध तकनीकों, शोध-संकल्पनाओं, मध्यवर्ती स्तर के सिद्धांतों आदि का बहुत अधिक विकास हुआ | राजनीतिक घटनाओं के विश्लेषण, वर्णन और तुलना के लिए समाज विज्ञान के दूसरे विषयों से संकल्पनाओं को उधार लिया गया | आज तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र अत्यधिक विस्तृत हो गया है | यह राजनीति के अंतर्गत आने

[2] 'यूरोपीय केंद्रवाद' को विस्तार पूर्वक समझने के लिए मेरा अगला अध्याय "यूरोपीय केंद्रवाद से आगे" देखें |

वाले सभी विषयों को समाहित करता है- सभी राजनीतिक प्रक्रियाओं, क्रियाओं, राजनीतिक संबंधों और शक्ति संबंधों का अध्ययन करता है, जो विश्व के सभी भागों मे देखे जा सकते हैं | सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं की संरचनाओं व कार्यों के बीच नियमितताओं, समानताओं, विभिन्नताओं व संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन इसका मुख्य केंद्रबिंदु है |

Question no.5

तुलनात्मक राजनीति में शामिल मुख्य विषय निम्नलिखित हैं -

सभी राजनीतिक संरचनाएं (All political structures)- तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में औपचारिक व अनौपचारिक सभी संरचनाएं शामिल हैं | ये सभी संरचनाएं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शक्ति के संघर्ष से जुड़ी है | अत: यथार्थवाद की खोज इसकी एक महत्वपूर्ण विशेषता है | यह केवल सरकार के तीन अंगों- विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका- तक ही सीमित नहीं है, इनके साथ ही यह लोकतंत्र, हित समूह, राजनीतिक दल व मानव द्वारा निर्मित दूसरे राजनीतिक समूहों के अध्ययन पर भी बल देता है |

कार्यात्मक अध्ययन (Functional studies)- यह उन कार्यों के अध्ययन पर बल देता है जो एक देश के पर्यावरण में राजनीतिक प्रक्रियाओं व उनके वास्तविक संचालनों का निर्माण करते है | यह हित स्वरूपीकरण, हित समूहकरण, राजनीतिक संचार, नियम निर्माण, नियम कार्यान्वन, नियम-निर्णय, समाजीकरण, निर्णय निर्माण, नीति निर्माण के कार्यों का अध्ययन करता है |

राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन (Study of political behavior)- राजनीतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण भाग है | मतदान व्यवहार, राजनीतिक सहभागिता, नेतृत्व, नियुक्ति, विशिष्ट व्यवहार, जन राजनीति आदि तुलनात्मक राजनीति का एकीकृत भाग है |

समानताओं और विभिन्नताओं का अध्ययन (Study of similarities and differences)- तुलनात्मक राजनीति विभिन्न राजनीतिक प्रक्रियाओं व कार्यों के बीच समानताओं व विभिन्नताओं का विश्लेषण करती है | यह उपागम वर्णनात्मक व औपचारिक नहीं है बल्कि राजनीतिक संरचनाओं व प्रक्रियाओं के वास्तविक कार्यों के आधार पर समानताओं व भिन्नताओं का वर्णन व तुलना की जाती है | यहां उद्देश्य यह नहीं है की सर्वोत्तम प्रक्रिया या व्यवस्था की खोज की जाए बल्कि उद्देश्य व्यवस्थित वर्णन, समझ व सिद्धान्त का निर्माण करना है |

राजनीतिक व्यवस्थाओं का अध्ययन (Study of political systems)- तुलनात्मक राजनीति राजनीतिक व्यवस्थाओं (पश्चिमी और गैर-पश्चिमी देशों) के वास्तविक व्यवहार व प्रदर्शन का विश्लेषण करती है | राजनीतिक व्यवस्थाओं का विश्लेषण व तुलना उनकी संरचनाओं, कार्यों, क्षमताओं और प्रदर्शन के आधार पर की जाती है |

पर्यावरण का अध्ययन (Study of environment)- किसी भी देश के तुलनात्मक अध्ययन के लिए यह आवश्यक है कि उसके मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, आर्थिक और नृजातीय संदर्भ को समझा जाए | इसके अध्ययन के लिए राजनीतिक वैज्ञानिकों ने- राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक समाजीकरण,

राजनीतिक आधुनिकीकरण- जैसी कई संकल्पनाओं की खोज की है | इन संकल्पनाओं ने नि:संदेह विभिन्न राजनीतिक व्यवस्थाओं की तुलना व वर्णन करने में राजनीतिक विज्ञान की क्षमता को बढ़ा दिया है |

तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र अत्यधिक विस्तृत हो गया है | एल्मण्ड व पोवेल ने तुलनात्मक राजनीति अनुशासन के नए आविष्कारों को संक्षिप्त रूप में चार प्रवृत्तियों में बांटा है-

व्यापक क्षेत्र की खोज (Search for more comprehensive scope)

यथार्थवाद की खोज (Search for realism)

परिशुद्धता की खोज (Search for precision)

बौद्धिक व्यवस्थित क्रम की खोज (Search for new intellectual order)

इन चार दिशाओं ने समकालीन तुलनात्मक राजनीति को क्रांतिकारी रूप से प्रभावित किया है |

ज्ञान संवर्धन 13 : (accessed on : 29 June 2014, 7:15 pm)

तुलनात्मक राजनीति के एतिहासिक विकास के विस्तृत वर्णन के लिए देखें - The Historical Development of Comparative Politics by Klaus Von Beyme-

http://www.researchgate.net/publication/226568782_The_historical_development_of_comparative_politics

तुलनात्मक अध्ययन से जुड़ी कठिनाइयाँ

तुलनात्मक राजनीति का विचारक्षेत्र अब विस्तृत हो गया है और इसके अध्ययन-विषय जटिल हो गए हैं | साथ ही, राजनीतिक संरचनाओं व प्रक्रियाओं में असंख्य विविधता के परिणामस्वरूप इसके अध्ययन में अनेक कठिनाइयों का आना स्वाभाविक है |

सर्वप्रथम हम देखते हैं कि आधुनिक युग की राजनीतिक व्यवस्थाएं और संस्थाएं परंपरागत संस्थाओं से अधिक पेचीदा या जटिल हो गई हैं | तुलनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत अब केवल औपचारिक संस्थाओं जैसे विधानमंडल, कार्यपालिका, तथा न्यायपालिका आदि का ही अध्ययन नहीं किया जाता अपितु इसके साथ ही साथ इन संस्थाओं पर आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा नैतिक परिस्थितियों का जो प्रभाव पड़ता है उनका भी अध्ययन किया जाता है जिससे तुलनात्मक राजनीति आसानी से स्पष्ट नहीं होती |

दूसरे, तुलनात्मक शासन और राजनीति का अध्ययन करने वाले विचारकों के लिए विभिन्न देशों की भाषाओं कों जानना जरूरी है, साथ ही इन राष्ट्रों की संस्कृति के बारे में भी ज्ञान होना चाहिए | यह ज्ञान यदि असंभव नहीं तो कठिन अवश्य ही है |

तीसरे, तुलनात्मक राजनीति को वैज्ञानिक रूप देने के लिए चिंतक सर्वेक्षणों, प्रश्नावलियों तथा कम्प्यूटरों के द्वारा आंकड़े एकत्रित करते हैं | इन आंकड़ों पर आधारित सिद्धांत सदा स्थायी एवं सर्वमान्य नहीं हो

सकते क्योंकि इनका अध्ययन क्षेत्र मानव व्यवहार है | जैसा कि हम जानते हैं मानव स्वभाव गतिशील है, अत: उसके व्यवहार और कार्यों के बारे में अध्ययन कर सही परिणामों की घोषणा करना संभव नहीं है |

चौथा, तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण में राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है, परंतु इसके संबंध में तथ्य सुगमता से उपलब्ध नहीं होते है | उदाहरण के लिए, यह तथ्य निरंकुश शासन के बारे में बिलकुल सही है क्योंकि वहां नीति-निर्धारकों का व्यवहार गोपनीयता के आवरण मे छुपा रहता है, वहीं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में भी जनहित की आड़ लेकर महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रकाश में नहीं आने दिया जाता |

पांचवें, राजनीतिक व्यवहारों से संबंधित परिणामों की संख्या इतनी अधिक है कि इनकी गिनती करना या अध्ययन करते हुए इनको ध्यान में रखना अत्यंत कठिन हो जाता है | उदाहरण के लिए, एक मतदाता मत देते समय अनेक तथ्यों से प्रभावित हो सकता है | तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषक इनकी अनेकता को अनदेखा नहीं कर सकता है और न ही इन सभी को अध्ययन का आधार बना सकता है |

छठे, तुलनात्मक राजनीति में निर्णय व नीतियों के निर्धारण में राजनीतिक संस्थाएं, राजनीतिक व्यवहार तथा राजनीतिक मान्यताएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं | ये तीनों एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं | विश्लेषक के लिए इन तीनों में संबंध स्थापित करने में विशेष कठिनाई होती है |

सातवें, तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण के अंतर्गत प्रयोग की जानेवाली शब्दावली अत्यंत कठिन है | अब इसके अंतर्गत औपचारिकता से आगे बढ़ कर व्यवहारवाद (behaviourlism) राजनीतिक व्यवस्था (political system), संरचनाएं (structures), राजनीतिक समाजीकरण (political socialization), निवेश (input), उत्पादन (output), चर (variable) आदि का प्रयोग अत्यधिक किया जाने लगा है, जो साधारण छात्र के लिए कठिनाई उत्पन्न करता है |

इन कठिनाइयों के बावजूद राजनीतिशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन काफी लोकप्रिय हो गया है | दिन-प्रतिदिन इसकी कमियों को दूर किया जा रहा है और इसे अधिक से अधिक पूर्ण बनाने की कोशिश की जा रही है |

तुलनात्मक अध्ययन की उपयोगिता व महत्व

एक महत्वपूर्ण प्रश्न तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता व उपयोगिता से जुड़ा है | तुलनात्मक अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण व उपयोगी है | इसके कई कारण है[3] पहला, तुलनात्मक विधि, हमे राजनीतिक विकल्पों व संभावनाओं के ज्ञान के लिए प्रेरित व उत्साहित करता है | यह हमें बहुलता व विविधता

[3] Jeffrey Kopstein, and M. Lichbach, (eds), (2005) *Comparative Politics: Interests, Identities, and Institutions in a Changing Global Order.* Cambridge: Cambridge University Press, p.p15-1

(plurality and diversity) को पहचानने में मदद करता है | दूसरा, तुलनात्मक पद्धति के द्वारा कुछ निर्णायक परिणामों को दिया जा सकता है | उदाहरण के लिए 1947 मे जिन्ना और मुस्लिम लीग के द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के परिणामस्वरूप भारत दो भागों - हिंदुस्तान व पाकिस्तान में बंट गया, लेकिन भारत अनेक धर्मो के अस्तित्व के बावजूद, एक पंथनिरपेक्ष राज्य तथा लोकतंत्रीय समाज के लिए कार्यरत है जबकि 1971 में एक ही धर्म को मानने वाले राज्य पाकिस्तान का विभाजन हो गया और बांग्लादेश का उदय हुआ | यह इस बात की ओर इशारा करता है कि धर्म के आधार पर राज्यों का विभाजन एक सर्वमान्य तर्क नहीं है | तीसरा, विभिन्न राष्ट्र तुलना द्वारा एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं | वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूसरे विचारों को ग्रहण कर सकते हैं या दूसरी प्रणालियों की अच्छी विशेषताओं को अपने वातावरण के अनुसार अपना सकते हैं, या अपनी संस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए ज्ञान की बहुलता में से चुनाव कर सकते हैं |

ज्ञान संवर्धन 14 : (accessed on : 29 June 2014, 7:41 pm)

देखें Alfred Diamant द्वारा लिखित लेख - The Relevance of Comparative Politics to the Study of Comparative Administration by -

http://www.jstor.org/discover/10.2307/2390826?uid=2129&uid=2&uid=70&uid=4&sid=21104227086847

तुलनात्मक राजनीति की वर्तमान अवस्था

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद एक दशाब्दी तक विकासशील राजनीतिक व्यवस्थाओं को तुलनात्मक राजनीतिक अध्ययन में सही अर्थों में सम्मिलित नहीं किया गया था | नवोदित राज्यों के संदर्भ में अध्ययन तुलनात्मक न होकर नवीन राजनीतिक व्यवस्थाओं के आंतरिक संघटकों पर प्रकाश डालने वाला रहा | कोलेमन (Coleman) और ऐप्टर (Apter) ने अफ्रीका; जार्ज मेक्काहीन (George Mekahin), माइनर वीनर (Myron Wenior), ल्यूशियन पाई (Lucian Pye), और कुछ अन्य विद्वानों ने दक्षिण एशिया तथा दक्षिण-पूर्वी एशिया के कुछ राज्यों के बारे में ऐसे ही अध्ययन किए |

अधिकांश विकासशील राज्यों (उदाहरण के लिए बर्मा, इन्डोनेशिया, सूडान, घाना, नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो, सीरिया, इराक, अल्जीरिया) में सैनिक क्रांतियों ने नई सरकारों का तख़्ता पलट दिया और काफी समय बाद ये देश भी अध्ययन का आकर्षण बने | जॉन जोनसन (John Johnson), विलियम गट्टरिज (William Guetteridge), एस॰ ई॰ फाइनर (S. E. Finer), मोरिस जेनोविट्ज (Morris Janowitz), गी

पौकर (Giey Paukar), विल्सन सी॰ मेकविलियम्स (Wilson C॰ Mcwilliams) व एडविन लियूवेन (Edwin Lieuwen) ने इस प्रकार के सैनिक शासनों का विवेचन किया और इन्हें सामाजिक विकास की अधिक सामान्य प्रक्रियाओं के साथ जोड़ने का प्रयास किया | सैमुअल हटिंगटन (Samual Hutington), फ़्रेडरिक फ्रे (Frederic Frey) व डंकवार्ट रुस्टों (Dankwart Rustow) ने मुख्यतया इस प्रकार के अध्ययनों से विकास की अनिवार्यता के संदर्भ में सैनिक शासनों का विश्लेषण किया |

नवीन परिमाणात्मक प्रविधियों ने तुलनाओं की व्यापक संभावनाएं प्रस्तुत किं | इन विकासशील राज्यों की कुछ प्रवृत्तियां- राष्ट्रवाद की उभरती शक्ति, शासक-शक्ति की वैधता, उप-व्यवस्थाओं का प्रभाव, सेना का आधिपत्य, विश्लेषण के लिए नवीन अवधारणाएं, परिमाणात्मक तथ्यों व नयी आनुभविक प्रविधियों का प्रयोग, अब तुलनात्मक राजनीति विश्लेषण का नवीनतम क्षेत्र व आकर्षण-केंद्र बन गई | अब तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण आधुनिकीकरण व सामाजिक-राजनीतिक विकास के इर्द-गिर्द किया जाने लगा | सम्प्रेषण की प्रक्रियाओं, राजनीतिक संगठन और विकास का ही इन राज्यों में तुलनात्मक अध्ययन नहीं हुआ वरन पुराने विकासशील राज्यों (जापान) व नये विकासशील राज्यों में तुलना के प्रयत्न होने लगे | विकास के साम्यवादी प्रतिमान व साम्यवादी चिंतन का विकासशील देशों पर प्रभाव भी तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण की परिधि में सम्मिलित कर लिए गए | इस प्रकार विकासशील राज्यों के उदय ने तुलनात्मक राजनीति में, नये अध्ययन, नए दृष्टिकोण, नये आयाम व नवीन अवधारणाओं का प्रचलन किया | तुलनात्मक विश्लेषण की नयी प्रविधियाँ प्रतिपादित हुईं | अब सम्पूर्ण विश्व की राजनीतिक व्यवस्थाओं, राजनीतिक संरचनाओं व राजनीतिक आचरणों की व्यापक व वृहत्तर परिवेश में तुलनाएं की जाने लगी हैं | इससे तुलनात्मक राजनीति का विषय-क्षेत्र विस्तृत हुआ है | यद्यपि तुलनात्मक विधि,तुलनात्मक विश्लेषण व तुलनात्मक राजनीति सामान्य रूप से राजनीतिक विश्लेषण का ही भाग दिखाई देती हैं, फिर भी औचित्य, तर्क और शिक्षा-शास्त्र की दृष्टि से तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन स्वतंत्र अनुशासन बन गया है | परंतु यहां यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन-क्षेत्र केवल देशों, संस्थाओं, संरचनाओं, व्यवहारों, क्रियाओं या समस्याओं के संदर्भ में ही परिभाषित नहीं करता है, बल्कि यह इन सबको संपूर्णता में तुलनात्मक विश्लेषण से समझने का प्रयास करता है |

ज्ञान संवर्धन 15 : (accessed on : 29 June 2014, 6:59 pm)
Useful Links- the Journal of Comparative Politics http://jcp.gc.cuny.edu/

ज्ञान संवर्धन 16 : (accessed on : 29 June 2014, 7:19 pm)

Useful Links - Google e-books -

1. 'Comparative Politics and Government' by S.A. Palekar-
http://books.google.co.in/books?vid=9788120333352&redir_esc=y

2. Comparative Politics by J.C. Johari-
http://books.google.co.in/books?id=A5tzpYUHMvYC&pg=PA4&lpg=PA4&dq=nature+and+scope+of+comparative+politics&source=bl&ots=3jjTaZDxwC&sig=gSPC7PAcU1nZ-Au6iPlpYCMsrmw&hl=en&sa=X&ei=pxSwU4-nDsaSuASDuILwAw&ved=0CCEQ6AEwAQ#v=onepage&q=nature%20and%20scope%20of%20comparative%20politics&f=false

निष्कर्ष

तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन अत्यंत प्राचीन है फिर भी समकालीन समय में जहां विविधता पर अत्यधिक बल दिया जाने लगा है, इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गयी है | समकालीन समय में सभी राजनीतिक वैज्ञानिक यह स्वीकार करते हैं कि सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं की सही समझ के लिए, वैज्ञानिक रूप से उनकी संरचनाओं और कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन आवश्यक है |

शब्दावली :

यथार्थवादी (practical) : जो वास्तविक अनुभवों व परीक्षण पर आधारित हो न कि केवल मूर्त सिद्धांतों पर |

लोकतंत्रीकरण (Democratisation): वह प्रक्रिया जो लोकतांत्रिक मूल्यों में वृद्धि को दर्शाए, विशेष रूप से आधारभूत स्वतंत्रता व अधिकारों का मिलना, लोकप्रिय सहभागिता व चुनावी विकल्पों का होना आदि |

राजनीतिक व्यवस्थाएं या संस्थाएं (Political System or Institutions) : एक राजनीतिक व्यवस्था से अभिप्राय है- संस्थाओं, हित समूहों (जैसे राजनीतिक दल, ट्रेड यूनियन, लॉबी समूह), और राजनीतिक मूल्यों व नियमों के बीच संबंध की वह व्यवस्था, जो इनके कार्यों (संविधान, चुनाव कानून) को नियंत्रित करती है |

आदर्शवादी उपागम (Normative Approach) : वह उपागम जो 'क्या होना चाहिए' पर बल देता है न कि 'क्या है' |

औपचारिक, विधिक, संस्थागत उपागम (Formal, Legal, Institutional Approach) : राजनीतिक संस्थाओं पर कानूनी दृष्टिकोण से विचार, संविधानों का औपचारिक, व्याख्यात्मक व विश्लेषणात्मक अध्ययन शामिल है | संविधान व कानूनी मान्यताओं के घेरे तक सीमित उपागम |

यूरोपीय-केंद्रवाद (Euro-Centrism) - एक ऐसा विश्वदृष्टिकोण है जो पश्चिमी सभ्यता पर आधारित है यह उस प्रवृत्ति को प्रदर्शित करता है जिसमें विश्व की व्याख्या यूरोपीय या एंग्लो-अमेरिकन मूल्यों और अनुभवों के आधार पर की जाती है |

उदारवाद (Liberalism) : वह राजनीतिक विश्वदृष्टिकोण जो स्वतन्त्रता व समानता के विचारों पर आधारित है | यह विचारधारा मुक्त व निष्पक्ष चुनाव, नागरिक अधिकार, प्रेस की स्वतन्त्रता, धर्म की स्वतन्त्रता, मुक्त व्यापार और निजी संपत्ति आदि विचारों में विश्वास रखती है |

संकीर्णवाद (Parochialism) : वह दृष्टिकोण जो एक मुद्दे के वृहत संदर्भ को न देखकर उसके बहुत ही छोटे से भाग पर बल देता है | सामान्य रूप से इसे संकीर्ण दृष्टिकोण या क्षेत्र के रूप में देखा जा सकता है |

मार्क्सवाद (Marxism) : यह सामाजिक विश्लेषण का वह विश्वदृष्टिकोण है जो वर्ग सम्बन्धों और सामाजिक संघर्ष पर बल देता है, ऐतिहासिक विकास की भौतिकवादी व्याख्या करता है और सामाजिक परिवर्तन का द्वन्द्वात्मक दृष्टिकोण उपलब्ध कराता है | यह पूंजीवादी विकास की आलोचना व आर्थिक परिवर्तनों में वर्ग संघर्ष की भूमिका के व्यवस्थित विश्लेषण पर बल देता है |

प्राक्कल्पना (hypothesis) : एक घटना का प्रस्तुत किया हुआ वर्णन है जिसमें घटना के दो या दो से अधिक चरों के बीच संबंधों को मानकर चला जाता है, जिसे आगे परीक्षण द्वारा सत्यापित कर सही या गलत प्रमाणित किया जाता है |

चर (Variables) - वे विभिन्न आयाम जो बदलते व परिवर्तित होते रहते हैं |

सापेक्ष वंचन (relative deprivation) : यह संकल्पना एक तुलनात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती है कि तुलनात्मक रूप से एक व्यक्ति या समूह की स्थिति बाकी समाज के लोगों या मान्यताओं से कितनी पिछड़ी हुई है |

सामान्यीकरण (Generalizations) : जब विस्तृत अध्ययन द्वारा हम कुछ सामान्य नियम या कथन देते है जो लगभग सभी पर लागू होते हों | परंतु सामान्यीकरण की वैधता को परखने के लिए सत्यापन जरूरी है |

आनुभाविक (empirical) : जो परीक्षण या अनुभवों पर आधारित हों और जिसका सत्यापन किया जा सके |

संदर्भ लेख :

1. Timothy Lim, (2010) *Doing Comparative Politics: An Introduction to Approaches and Issues* . USA: Lynne Rienner Publishers, p.p 1-26.
2. Manoranjan Mohanty, (1975) 'Comparative Political Theory and Third World Sensitivity', *in* *Teaching Politics*, Nos. 1 and 2, pp. 22-38
3. Jeffrey Kopstein, and M. Lichbach, (eds), (2005) *Comparative Politics: Interests, Identities, and Institutions in a Changing Global Order.* Cambridge: Cambridge University Press.
4. Apter, David E., 'Comparative Politics: Old and New' in Robert E. Goodin & Hans-Dieter Klingemann (eds.), *A New Handbook of Political Science*, New Delhi : Oxford University Press, ch. 15, 1996, pp. 372-397.
5. Sartori, G (1994). Compare Why and How: Comparing, Miscomparing and the Comparative Method. In: Dogan, M & Kazancigil, A (Eds)., *Comparing nations: concepts, strategies, substance* . Oxford: Blackwell, pp.14-34.
6. डॉ॰ नलिन कुमार (2006) तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, दिल्ली : नवराज प्रकाशन
7. गेना सी॰ (1978) तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं, विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड
8. श्याम नारायण (2012) तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, जयपुर : रितु पब्लिकेशन्स
9. Howard A. Scarrow, (1963) 'The Scope of Comparative Analysis' in *The Journal of Politics*, Vol. 25, No. 3, pp. 565-577 (URL: http://www.jstor.org/stable/2127973)

10. J.C. Johari (1972) Comparative Politics, University of Michigan: Sterling Publishers.

संभावित प्रश्न

1. तुलनात्मक राजनीति से आप क्या समझते है ? तुलनात्मक राजनीति तथा तुलनात्मक शासन में अंतर स्पष्ट करें |
2. तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण के परंपरागत और आधुनिक दृष्टिकोणों का मूल्यांकन कीजिये |
3. तुलनात्मक विश्लेषण की बदलती हुई परिस्थितियों का विश्लेषण करें |
4. तुलनात्मक राजनीतिक अध्ययन की उपयोगिता व महत्व तथा इसके अध्ययन में आने वाली कठिनाइयों की व्याख्या कीजिये |

वैकल्पिक प्रश्न

1. सारटोरी द्वारा 1970 में लिखित कृति का नाम क्या है ?

(1) Concept Misformation in Comparative Politics (2) Parties and Party Systems

(3) The Theory of Democracy Revisited (4) Comparative Constitutional Engineering

उत्तर : (1)

2. अरस्तू के अनुसार शासन के कौन से प्रकार 'विकृत' प्रकृति के है ?

(1) क्रूर शासन (Tyranny), अल्पतंत्र (Oligarchy), लोकतंत्र (Democracy)

(2) राजतंत्र (Monarchy), अभिजाततंत्र (Aristocracy), संवैधानिक सरकार (Constitutional Government)

(3) गणतन्त्र (Republic), राजकुल (Royality) (4) लोकतंत्र (Democracy)

उत्तर : (1)

3. 'आधुनिक युग का पिता' किसे कहा जाता है |

(1) अरस्तू (2) सारटोरी

(3) रूसो (4) मैकियावेली

उत्तर : (4)

4. "तुलनात्मक राजनीति, समकालीन विश्व में राष्ट्रीय सरकारों के पेट्टर्नो का अध्ययन हैं"- यह किसका कथन है |

(1) सारटोरी (2) अरस्तू

(3) मोंटेस्क्यू (4) जॉन ब्लोंडेल

उत्तर : (4)

5. मिश्रित संविधान (Mixed Constitution) की परिकल्पना किसने दी है ?

(1) लॉक (2) रूसो

(3) अरस्तू (4) मोंटेस्क्यू

उत्तर : (3)

6. तुलनात्मक अध्ययन में आंकड़ों पर आधारित सिद्धांत सदा स्थायी एवं सर्वमान्य नहीं हो सकते क्योंकि इनका अध्ययन क्षेत्र है :

(1) मानव व्यवहार (2) राजनीतिक व्यवस्थाएं

(3) राजनीतिक समाजीकरण (4) राजनीतिक आधुनिकीकरण

उत्तर : (1)

Useful Web Links-

(1) अरस्तू के जीवन, दर्शन व राजनीतिक व्यवस्था व शासन पर उनके विचारों के लिए देखें : http://www.hoocher.com/Philosophy/aristotle.htm

(2) Politics (Aristotle)- http://en.wikipedia.org/wiki/Politics_(Aristotle)

(3) The Doctrine of Separation of power by jaba shadrack, 21.12.2012- http://jabashadrack.blogspot.in/2012/12/the-doctrine-of-separation-of-powers.html

(4) **मैकियावेली** के जीवन व राजनीतिक दर्शन की अधिक जानकारी के लिए देखे : http://hi.wikipedia.org/wiki/निकोलो_मैकियावेली

(5) निम्नलिखित विचारकों के जीवन, प्रभाव, राजनीतिक विचार व राजनीतिक विज्ञान में इनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए देखें :

Polibius - http://en.wikipedia.org/wiki/Polybius

Mantesquieu- http://en.wikipedia.org/wiki/Montesquieu

Jean bodin- http://en.wikipedia.org/wiki/Jean_Bodin

Cicero- http://en.wikipedia.org/wiki/Cicero

(6) **Mixed Government**- http://en.wikipedia.org/wiki/Mixed_government

(7) प्राचीन राजनीतिक दर्शनशास्त्र को विस्तार से समझने के लिए निम्नलिखित लिंक पर क्लिक करें :Ancient Political Philosophy (Stanford Encyclopedia of Philosophy) http://plato.stanford.edu/entries/ancient-political/

(8) रॉय मेक्रिडिस द्वारा लिखित लेख "Comparative Study and the Politics of Government" श्रोत्र: http://www.jstor.org/discover/10.2307/421376?uid=2129&uid=2&uid=70&uid=4&sid=21104096941347

(9) तुलनात्मक राजनीति व तुलनात्मक विधि को विस्तार से समझने के लिए देखें **Arend Lijphart** द्वारा लिखित लेख - "Comparative Politics and Comparative Method" - (The American Political Science Review, Vol.65, Issue 3 (Sep.1971), 682-693 http://campus.murraystate.edu/academic/faculty/mark.wattier/Lijphart1971.pdf

(10) देखें **Giovanni Sartori** द्वारा लिखित लेख 'Concept Misformation in Comparative Politics'- (Source: American Political Science Review, LXIV(4) (1970): 1033-1053.) http://www.corwin.com/upm-data/24809_Ch_02.pdf

(11) तुलनात्मक राजनीति के भूतकाल व वर्तमान परिप्रेक्ष' के लिए महत्वपूर्ण लिंक पर क्लिक करें (Useful links on)- "A Perspective on Comparative Politics Past and Present" - http://publishing.cdlib.org/ucpressebooks/view?docId=ft0k40037v&chunk.id=d0e1328&toc.depth=1&brand=ucpress

(12) देखेँ अरस्तू द्वारा लिखित लेख- The classical review, April 1892 Aristotle's Classification of Forms of Government - http://www.jstor.org/discover/10.2307/693542?uid=2129&uid=2&uid=70&uid=4&sid=21104226855727 (JSTOR: The Classical Review, Vol. 6, No. 4 (Apr., 1892), pp. 141-144)

(13) The Historical Development of Comparative Politics by Klaus Von Beyme- http://www.researchgate.net/publication/226568782_The_historical_development_of_comparative_politics

(14) देखें Alfred Diamant द्वारा लिखित लेख - The Relevance of Comparative Politics to the Study of Comparative Administration by - http://www.jstor.org/discover/10.2307/2390826?uid=2129&uid=2&uid=70&uid=4&sid=21104227086847

(15) The Journal of Comparative Politics http://jcp.gc.cuny.edu/

(16) Google e-books - 1. 'Comparative Politics and Government' by S.A. Palekar- http://books.google.co.in/books?vid=9788120333352&redir_esc=y

2. Comparative Politics by J.C. Johari- http://books.google.co.in/books?id=A5tzpYUHMvYC&pg=PA4&lpg=PA4&dq=nature+and+scope+of+comparative+politics&source=bl&ots=3jjTaZDxwC&sig=gSPC7PAcU1nZ-Au6iPlpYCMsrmw&hl=en&sa=X&ei=pxSwU4-nDsaSuASDuILwAw&ved=0CCEQ6AEwAQ#v=onepage&q=nature%20and%20scope%20of%20comparative%20politics&f=false